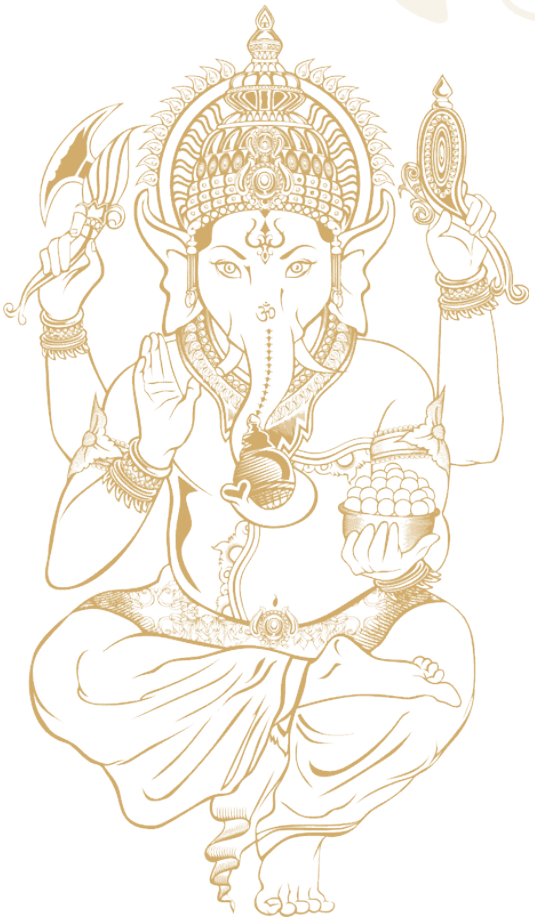

anubhav

Vanita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121537004

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
28-29/01/1996 :	जन्म तिथि	: 26/02/1999
रवि-सोमवार :	दिन	: शुक्रवार
घंटे 03:39:00 :	जन्म समय	: 09:15:00 घंटे
घटी 51:07:38 :	जन्म समय(घटी)	: 06:01:59 घटी
India :	देश	: India
Delhi :	स्थान	: Ghaziabad
28:39:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:40:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:20:16 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:11:56 :	सूर्योदय	: 06:49:21
17:57:04 :	सूर्यास्त	: 18:17:33
23:48:16 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:33

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 4वर्ष 1मा 7दि	21:15:13	वृश्चि	लग्न	मेष	03:04:51	गुरु 12वर्ष 10मा 23दि
राहु	14:28:21	मक	सूर्य	कुंभ	13:14:54	शनि
06/03/2017	00:52:59	वृष	चंद्र	मिथु	22:35:09	19/01/2012
07/03/2035	22:18:15	मक	मंगल	तुला	16:02:06	19/01/2031
राहु 18/11/2019	25:27:40	धनु व	बुध	कुंभ	29:54:28	शनि 22/01/2015
गुरु 12/04/2022	11:48:51	धनु	गुरु	मीन	09:06:15	बुध 01/10/2017
शनि 16/02/2025	22:50:28	कुंभ	शुक्र	मीन	11:26:15	केतु 10/11/2018
बुध 06/09/2027	27:58:34	कुंभ	शनि	मेष	05:52:50	शुक्र 10/01/2022
केतु 23/09/2028	26:30:31	कन्या व	राहु	कर्क	28:16:57	सूर्य 23/12/2022
शुक्र 24/09/2031	26:30:31	मीन व	केतु	मक	28:16:57	चन्द्र 23/07/2024
सूर्य 18/08/2032	07:10:21	मक	हर्ष	मक	20:17:43	मंगल 01/09/2025
चन्द्र 16/02/2034	01:55:35	मक	नेप	मक	09:16:28	राहु 08/07/2028
मंगल 07/03/2035	08:54:52	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:34:59	गुरु 19/01/2031

लग्न-चलित

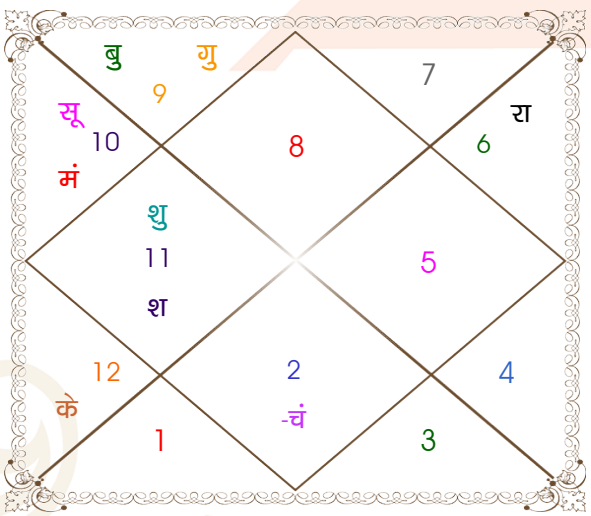

लग्न-चलित

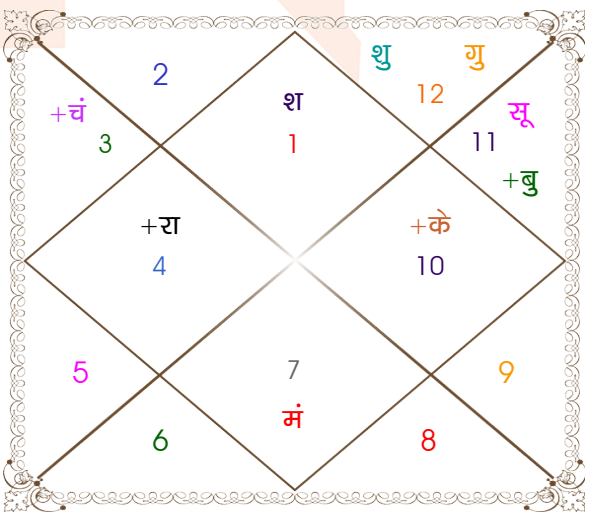

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	मार्जार	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

anubhav का वर्ग गरूड़ है तथा Vanita का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार anubhav और Vanita का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

anubhav मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Vanita मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु anubhav कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

anubhav तथा Vanita में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।